हाशियाकरण की समझ

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» हाशियाकरण: 'किनारे' पर धकेले जाने का मतलब

प्रश्न 1 (आसान). हाशियाकरण का मतलब सबसे पहले किस तरह के अनुभव से जुड़ा है?
उत्तर – 'किनारे' पर धकेले जाने का अनुभव

प्रश्न 2 (आसान). क्या हाशियाकरण सिर्फ सामाजिक वजहों से ही होता है?
उत्तर – नहीं, यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक–तीनों स्तरों पर हो सकता है

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर किसी समुदाय की भाषा अलग है और लोग उन्हें समूह में नहीं लेते, तो यह हाशियाकरण किस स्तर पर होगा?
उत्तर – सामाजिक स्तर पर

प्रश्न 4 (कठिन). एक समूह को अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने में रुकावट महसूस हो रही है और फैसलों में उसकी भागीदारी कम है। यह हाशियाकरण किस स्तर का संकेत है, और क्यों?
उत्तर – राजनीतिक स्तर का संकेत है, क्योंकि फैसले/अधिकारों में भागीदारी और ताकत की कमी रुकावट का कारण बनती है।

» हाशियाकरण बढ़ाने वाले कारण: अभाव, पूर्वाग्रह और शक्तिहीनता

प्रश्न 5 (आसान). 'अभाव' का मतलब क्या होता है?
उत्तर – संसाधन/पैसा/अवसर और सहारे की कमी, जिससे अधिकारों के लिए आवाज़ उठाना मुश्किल हो जाता है।

प्रश्न 6 (आसान). पूर्वाग्रह कैसे हाशियाकरण बढ़ाता है?
उत्तर – जब लोगों के मन में पहले से गलत सोच हो और वे उस समूह की बात को कम महत्व दें।

प्रश्न 7 (मध्यम). एक व्यक्ति पंचायत में बात नहीं कर पाता। इससे कौन-सा कारण मजबूत होता है और क्यों?
उत्तर – शक्तिहीनता, क्योंकि फैसले लेने में उसकी हिस्सेदारी नहीं होती और उसकी आवाज़ कमजोर पड़ जाती है।

प्रश्न 8 (कठिन). मान लो किसी समूह को बार-बार भेदभाव मिलता है और साथ ही उनके पास शिक्षा/पैसे भी कम हैं। इन दोनों से हाशियाकरण कैसे बढ़ेगा?
उत्तर – भेदभाव से पूर्वाग्रह मजबूत होगा (आवाज़ को सम्मान नहीं मिलेगा) और पैसों/अवसर की कमी से अभाव बढ़ेगा (लंबी कानूनी/आवाज़ उठाने वाली लड़ाई के लिए सहारा नहीं होगा)। इसलिए वे समाज के अधिकारों-मौकों से और दूर हो जाएंगे।

» आदिवासी: मूल निवासी और विविध जनजातीय पहचान

प्रश्न 9 (आसान). 'आदिवासी' शब्द का अर्थ क्या है?
उत्तर – मूल निवासी

प्रश्न 10 (आसान). क्या आदिवासी एक ही जैसा समूह हैं या विविध समूह हैं?
उत्तर – विविध समूह हैं

प्रश्न 11 (मध्यम). भारत में आदिवासी समूह कितने तरह के बताए गए हैं? (आंकड़ा लिखिए)
उत्तर – 500 से ज्यादा

प्रश्न 12 (कठिन). किताबी आधार पर समझाइए: आदिवासी समाज जाति-वर्ण पर आधारित समाजों से कैसे अलग दिखता है?
उत्तर – आदिवासी समाज के भीतर ऊँच-नीच/जाति-वर्ण आधारित फर्क बहुत कम होता है, इसीलिए उनकी सामाजिक संरचना जाति-वर्ण पर आधारित समुदायों से अलग दिखाई देती है।

» आदिवासी धर्म, परंपराएँ और प्रकृति से संबंध

प्रश्न 13 (आसान). आदिवासी परंपरा में 'ग्राम आत्माओं' की पूजा आम तौर पर कहाँ होती है?
उत्तर – गाँव की सीमा के भीतर पवित्र स्थानों में।

प्रश्न 14 (आसान). पुरखों की उपासना आदिवासी घर में क्यों करते हैं?
उत्तर – क्योंकि पुरखों को घर के भीतर/परिवार की परंपरा के अनुसार पूजा जाता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर एक इलाके में आदिवासी ईसाई/हिंदू/इस्लाम जैसी मान्यताओं से प्रभावित हुए, तो क्या आदिवासी धर्म पूरी तरह खत्म हो जाता है?
उत्तर – नहीं। असर आ सकता है, पर आदिवासी धर्म/जीवन की अपनी पहचान बनी रहती है।

प्रश्न 16 (कठिन). किताब की बातों के आधार पर बताओ कि आदिवासी धर्म का प्रकृति से संबंध 'संस्कार' की तरह कैसे काम करता है?
उत्तर – प्रकृति (पर्वत, नदी, पशु) को आत्माओं/जीवन से जोड़ा जाता है, इसलिए कुछ नियम और सम्मान का व्यवहार होता है–जैसे पवित्र जगहों पर पूजा, प्रकृति को नुकसान न पहुँचाना, और गाँव/घर में परंपरा के अनुसार अनुष्ठान करना।

» आदिवासियों की 'प्रचलित छवियाँ' और गलतफहमियाँ

प्रश्न 17 (आसान). आदिवासियों को अक्सर 'एक ही तरह' दिखाने से क्या होता है?
उत्तर – गलतफहमी बनती है और भेदभाव बढ़ सकता है।

प्रश्न 18 (आसान). सिर्फ रंग-बिरंगे कपड़े/नाच-गाना देखकर हम क्या निष्कर्ष नहीं निकाल सकते?
उत्तर – कि वे 'पिछड़े' हैं या 'विकास नहीं चाहते'।

प्रश्न 19 (मध्यम). मान लो किसी फिल्म/पोस्टर में किसी समुदाय को बार-बार केवल एक दृश्य में दिखाया जाए। इसका समाज की सोच पर क्या असर पड़ सकता है?
उत्तर – लोग उस समुदाय की विविधता न समझकर बनी-बनाई छवि के आधार पर राय बनाते हैं, जिससे भेदभाव और हाशियाकरण बढ़ सकता है।

प्रश्न 20 (कठिन). पिछला कॉन्सेप्ट (आदिवासी धर्म का प्रकृति-गाँव-पुरखों से रिश्ता) बताता है कि आदिवासी जीवन केवल नाच-गाने नहीं है। इस बात को एक उदाहरण से समझाइए कि 'एकतरफा छवि' कैसे गलत अर्थ निकाल देती है।
उत्तर – अगर हम केवल उत्सव में नाचते दिखे आदिवासियों को देखें और उनके जंगल/प्रकृति और पुरखों से जुड़े ज्ञान व जीवन-तरीके को न देखें, तो हम सोचने लगते हैं कि वे केवल 'पुराने' हैं। असल में वही धर्म/रिश्ता उनकी जीवन-प्रणाली और पहचान का आधार है, इसलिए निष्कर्ष गलत होगा।

» आदिवासी और विकास: वनभूमि, विस्थापन और आजीविका पर असर

प्रश्न 21 (आसान). आदिवासियों की वनभूमि छिनने से सबसे पहले किस पर असर पड़ता है?
उत्तर – वन और जमीन से जुड़े उनके भोजन/रोज़मर्रा के काम और आजीविका पर असर पड़ता है।

प्रश्न 22 (आसान). विस्थापन का मतलब क्या है?
उत्तर – लोगों को उनके घर-गाँव/जगह से हटाकर दूसरी जगह भेज देना।

प्रश्न 23 (मध्यम). विकास परियोजनाओं से आदिवासियों में संघर्ष/हिंसा की आशंका क्यों बढ़ती है?
उत्तर – जब उनकी जमीन/संसाधन छिन जाते हैं, आजीविका और परंपराएँ टूटती हैं, और नियम पालन/उनकी भागीदारी कमजोर होती है, तो अन्याय और असुरक्षा की भावना बढ़ती है–विरोध से टकराव हो सकता है।

प्रश्न 24 (कठिन). एक आदिवासी समुदाय विस्थापित होने के बाद गरीबी की ओर कैसे जा सकता है? तीन कारण लिखिए।
उत्तर – 1) खेती/आजीविका का स्रोत छिनना या कमजोर होना। 2) शहर/दूसरे स्थान पर कम वेतन वाले छोटे काम मिलना और स्थिरता न होना। 3) परंपराओं व सामाजिक ढांचे का टूटना, संसाधनों तक पहुँच कम होना (जिससे अभाव बढ़ता है)।

» अल्पसंख्यक: संख्या से आगे–सत्ता, संसाधन और संस्कृति की सुरक्षा

प्रश्न 25 (आसान). अल्पसंख्यक शब्द का मतलब सिर्फ क्या होता है?
उत्तर – सिर्फ संख्या कम होना–यह सही नहीं है; यह सत्ता, संसाधन और सांस्कृतिक सुरक्षा से भी जुड़ा है।

प्रश्न 26 (आसान). सुरक्षात्मक प्रावधानों की जरूरत क्यों पड़ सकती है?
उत्तर – बहुसंख्यक प्रभुत्व की आशंका से भेदभाव/नुकसान की आशंका को रोकने के लिए।

प्रश्न 27 (मध्यम). अगर किसी छोटे समुदाय के त्योहार पर बार-बार रोक लगे और उन्हें समान सरकारी सुविधा न मिले, तो यह अल्पसंख्यक के किस पहलू से संबंधित है?
उत्तर – सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा और संसाधन/सुविधाओं तक समान पहुँच के पहलू से।

प्रश्न 28 (कठिन). किस स्थिति में अल्पसंख्यक समुदाय में 'असुरक्षा' की भावना बढ़ सकती है, और उससे क्या खतरा हो सकता है?
उत्तर – जब अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदायों के संबंध तनावपूर्ण हों, तो समुदाय अपने जीवन/संपत्ति/फायदे के बारे में असुरक्षित महसूस कर सकता है; पूर्वाग्रह बढ़कर घृणा और हिंसा तक जा सकता है।

» मुसलमान और हाशियाकरण: विकास संकेतक, शिक्षा और सरकारी नौकरी

प्रश्न 29 (आसान). 'विकास संकेतक' से क्या मतलब है?
उत्तर – ऐसे मापदंड जिनसे स्थिति समझ आती है–जैसे सुविधाएँ, साक्षरता और सरकारी नौकरी।

प्रश्न 30 (आसान). शिक्षा के मामले में सच्चर समिति किस बात को आँकड़ों से समझाती है?
उत्तर – 7-16 साल के बच्चों के औसतन कम समय तक स्कूल शिक्षा लेने की बात।

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर सरकारी नौकरी में किसी समुदाय का प्रतिशत कम हो, तो इसे किस तरह समझा जाता है?
उत्तर – इसे संकेत माना जाता है कि अवसरों/शुरुआती शिक्षा/सुविधाओं में असमानता हो सकती है, इसलिए प्रतिनिधित्व कम है।

प्रश्न 32 (कठिन). क्यों 'सिर्फ सोच' के बजाय आँकड़ों और संकेतकों की जरूरत पड़ती है, जब हम कहते हैं कि मुसलमानों को कई जगह हाशियाई माना जाता है?
उत्तर – क्योंकि हाशियाकरण को समझने के लिए हमें जमीन पर दिखने वाली असमानता देखनी होती है–सुविधाएँ, साक्षरता, शिक्षा में टिकाव और सरकारी नौकरी में प्रतिनिधित्व जैसे संकेतक। सिर्फ धारणा/विचार से कारण और स्थिति साबित नहीं होती।

» पूर्वाग्रह, 'घेटोआइशेशन' और भेदभाव की प्रक्रिया

प्रश्न 33 (आसान). पूर्वाग्रह का मतलब क्या है–सही जानकारी के साथ सोच या बिना जानकारी जज करना?
उत्तर – बिना सही जानकारी के जज करना–यानी शक/धारणा पहले बन जाना।

प्रश्न 34 (आसान). भेदभाव किस चीज़ में दिखता है?
उत्तर – व्यवहार में–अधिकार/बराबरी के हिसाब से फर्क करके।

प्रश्न 35 (मध्यम). घेटोआइशेशन बढ़ने के लिए सिर्फ 'लोगों की बात' काफी है या उसके साथ व्यवहार/रोज़मर्रा के फैसले भी जरूरी होते हैं? समझाओ।
उत्तर – सिर्फ बात नहीं–पूर्वाग्रह जब रोज़मर्रा के फैसलों में व्यवहार बन जाता है (स्कूल, बाजार, दोस्ती), तभी लोग दूरी बनाने लगते हैं और सिमटाव/अलगाव बढ़ता है।

प्रश्न 36 (कठिन). एक श्रृंखला बनाओ: 'पूर्वाग्रह' से 'हिंसा तक पहुंच' का रास्ता–तीन चरणों में समझाओ।

उत्तर – पूर्वाग्रह डर/घृणा और गलत धारणाएं भेदभाव/अलगाव बढ़ना (घेटोआइशेशन) तनाव इतना बढ़ना कि कभी-कभी हिंसा तक पहुंचना।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कक्षा में एक छात्र (A) का पहनावा/बोलने का ढंग अलग है। बाकी बच्चे उसे खेलों में नहीं चुनते, उसकी बात मज़ाक में टाल देते हैं, और ग्रुप प्रोजेक्ट में उसे काम नहीं देते। बाद में पता चलता है कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है और आगे पढ़ाई के लिए मदद नहीं मिल पाई। बताओ–यह किस तरह के हाशियाकरण के उदाहरण हैं?

› सामाजिक स्तर पहचानो: पहनावा/बोलने का ढंग अलग होने पर समूह से बाहर रखना और मज़ाक उड़ाना–ये 'सामाजिक' हाशियाकरण है।

› आर्थिक स्तर पहचानो: परिवार की गरीबी और पढ़ाई/मदद न मिलना–ये 'आर्थिक' हाशियाकरण है।

› परिणाम समझो: उसे बीच के अवसर (खेल, काम, प्रोजेक्ट, पढ़ाई) से हटाकर किनारे पर रखा जा रहा है। इसलिए यह हाशियाकरण का अनुभव है।

उत्तर – यह उदाहरण 'सामाजिक' हाशियाकरण (अलगपन के कारण अलग-थलग करना) और 'आर्थिक' हाशियाकरण (गरीबी की वजह से शिक्षा/मौकों की कमी) दोनों को दिखाता है।

उदाहरण 2. एक गाँव में एक आदिवासी परिवार को हर काम में मना कर दिया जाता है: मजदूरी के लिए नाम नहीं लेते, स्कूल में दाखिला के कागज़ बार-बार टालते हैं, और पंचायत में बोलने नहीं देते। बताइए यह स्थिति हाशियाकरण बढ़ाने के किन कारणों से हो रही है?

› मजदूरी/काम में मना करना–आर्थिक अवसर कम करता है, यानी अभाव की तरफ धकेलता है

› 'टालना' और 'बोलचाल/रवैये' में भेदभाव–ये पूर्वाग्रह को दिखाता है

› पंचायत में बोलने नहीं देना–निर्णय में हिस्सेदारी की कमी, यानी शक्तिहीनता

› तीनों कारण मिलकर अधिकार मांगना कठिन बना देते हैं

उत्तर – यह स्थिति मुख्यतः अभाव, पूर्वाग्रह और शक्तिहीनता–तीनों कारणों से हाशियाकरण बढ़ाती है।

उदाहरण 3. मान लो तुम्हें अपने राज्य (जैसे झारखंड/छत्तीसगढ़) के किसी आदिवासी समुदाय के बारे में 3 बातें लिखनी हैं: (1) मूल निवासी होने का संकेत, (2) विविधता–क्यों समूह अलग-अलग हैं, (3) सामाजिक संरचना में जाति-वर्ण से फर्क। सही तरीके से 3 प्वाइंट क्या लिखोगे?

› पहला प्वाइंट: 'मूल निवासी'–जंगल/प्रकृति के साथ जीवन-परंपरा वाली पहचान लिखो।

› दूसरा प्वाइंट: '500 से ज्यादा' आदिवासी समूह–अलग-अलग इलाकों में समुदायों की विविधता बताओ।

› तीसरा प्वाइंट: आदिवासी समाज में ऊँच-नीच/जाति-वर्ण आधारित फर्क बहुत कम–इस तरह संरचना का अंतर लिखो।

उत्तर – 1) आदिवासी 'मूल निवासी' हैं और जंगल/प्रकृति के साथ जीवन-परंपरा रखते हैं। 2) भारत में 500+ आदिवासी समूह हैं, इसलिए अलग-अलग क्षेत्रों में समुदाय/भाषा/रीति अलग मिलती है। 3) आदिवासी समाज में ऊँच-नीच का ढांचा जाति-वर्ण पर आधारित समाजों जितना नहीं दिखता, इसलिए सामाजिक संरचना अलग दिखती है।

उदाहरण 4. मान लो एक आदिवासी परिवार नदी किनारे एक पवित्र घाट मानता है। वे वहाँ शोर नहीं करते, गंदगी नहीं फैलाते, और त्योहार पर गाँव की सीमा के अंदर तय स्थान पर सामूहिक पूजा करते हैं। साथ ही वे अपने घर में अपने पूर्वजों को याद करके पूजा/अनुष्ठान करते हैं। बताओ–यह व्यवहार किस-किस तरह आदिवासी धर्म के प्रकृति, परंपरा और पुरखों से संबंध को दिखाता है?

› नदी घाट को पवित्र मानना: 'प्रकृति से जुड़ी आत्माओं' का संकेत

› गाँव की सीमा के अंदर तय जगह पर पूजा: 'ग्राम आत्माएँ' वाली धारणा

› घर में पूर्वजों की पूजा: 'पुरखों की उपासना' घर के अंदर

› व्यवहार में नियम मानना: सम्मान और सुरक्षा का धार्मिक हिस्सा

उत्तर – यह व्यवहार दिखाता है कि (1) प्रकृति में जीवन/आत्मा समझी जाती है–नदी घाट पवित्र है, (2) गाँव की रक्षा करने वाली आत्माओं के लिए गाँव की सीमा के भीतर पूजा होती है, और (3) पुरखों/पूर्वजों की उपासना घर में की जाती है।

उदाहरण 5. एक अखबार में आदिवासियों की फोटो के साथ लिखा है: "ये लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और पुराने ढंग से रहते हैं, इसलिए विकास नहीं चाहते।" बताइए यह किस तरह की गलतफहमी है और इसे सही समझने के लिए हम क्या देखेंगे?

› फोटो और लिखे वाक्य को 'पूरी सच्चाई' मानने की गलती पहचानो
› समझो कि रंग-बिरंगे कपड़े/नाच-गाना उनकी संस्कृति का हिस्सा हो सकता है–पूरे जीवन का प्रमाण नहीं
› देखो कि विकास न चाहने का आरोप क्यों बिना साक्ष्य के लग रहा है
› सही समझने के लिए उनके जीवन के अन्य पहलू देखना होगा: आजीविका, जंगल-जमीन से रिश्ता, शिक्षा/काम के अवसर, और जिन नीतियों से बदलाव आता है

उत्तर – यह 'एकतरफा छवि' वाली गलतफहमी है। सही समझ यह है कि आदिवासियों को सिर्फ नाच-गाने/कपड़ों तक सीमित करके विकास-इच्छा पर निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। हमें उनकी आजीविका, जंगल-जमीन संबंध, बदलती परिस्थितियाँ और अधिकार/अवसरों को देखकर वास्तविक स्थिति समझनी चाहिए।

उदाहरण 6. किसी वन-क्षेत्र में खनन परियोजना शुरू होती है। आदिवासी परिवारों की खेती की जमीन का कुछ हिस्सा छिन जाता है और उन्हें दूसरी जगह बसाया जाता है। बताएँ कि इस विकास का आदिवासियों की आजीविका और रोज़मर्रा के जीवन पर क्या-क्या असर पड़ेगा? साथ में यह भी लिखिए कि संघर्ष क्यों बढ़ सकता है।

› पहले देखें: वनभूमि/जंगल छिनने से संसाधनों तक पहुँच कम होती है
› फिर पहचानें: खेती की जमीन/जल-स्रोत प्रभावित होने से भोजन और कमाई घटती है
› अब सोचें: जंगल से मिलने वाली चीज़ें (जड़ी-बूटी/इंधन/परंपरागत काम) बंद/कम होती हैं
› विस्थापन के कारण: घर-गाँव, सामाजिक संबंध और परंपराएँ टूटती हैं
› जब मुआवज़ा/नियम पालन कमजोर हो और निर्णय में उनकी भागीदारी न हो, तो अन्याय का अनुभव बढ़ता है
› अंत में जोड़िए: अन्याय + संसाधन की कमी विरोध संघर्ष/हिंसा की आशंका

उत्तर – वन-क्षेत्र में खनन से वनभूमि पर कब्ज़ा होता है, इसलिए आदिवासियों की संसाधनों तक पहुँच घटती है। खेती/जल-स्रोत प्रभावित होने से भोजन और आमदनी कम हो जाती है, जंगल से जुड़े पारंपरिक काम और रीति-रिवाज़ कमजोर पड़ते हैं। विस्थापन से घर-गाँव का लगाव और सामाजिक व्यवस्था टूटती है। अगर नियम पालन कमजोर हो और उनकी बात/भागीदारी न सुनी जाए, तो उन्हें अन्याय लगेगा; संसाधनों की कमी के साथ विरोध बढ़ सकता है और संघर्ष/हिंसा की आशंका बढ़ जाती है।

उदाहरण 7. एक शहर में एक समुदाय की जनसंख्या कम है। लेकिन उसकी आवाज़ कम होने की वजह से स्कूल में उसकी भाषा में पढ़ाई/सहयोग नहीं मिलता, सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए कोचिंग/संसाधन योजनाओं में उन्हें प्राथमिकता नहीं मिलती, और उनके त्योहार/पहनावे पर ताने दिए जाते हैं। बताइए–यह स्थिति 'अल्पसंख्यक' के किस पहलू को दिखाती है?

› पहले देखें–समस्या सिर्फ 'जनसंख्या कम' नहीं है, फैसलों में भागीदारी/आवाज़ का असर है।
› फिर देखें–संसाधनों/सुविधाओं (भाषा-आधारित सुविधा, शिक्षा सहायता, सरकारी अवसर) तक पहुँच में कमी दिख रही है।
› फिर देखें–संस्कृति (त्योहार, पहनावा, पहचान) पर दबाव/भेदभाव दिख रहा है।
› निष्कर्ष निकालें कि यह संख्या से आगे का मुद्दा है–सत्ता, संसाधन और संस्कृति की सुरक्षा।

उत्तर – यह स्थिति अल्पसंख्यक की 'संख्या से आगे' वाली समझ दिखाती है–सत्ता/आवाज़ में कमी, संसाधन व सुविधाओं तक असमान पहुँच, और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा में खतरा।

उदाहरण 8. एक क्षेत्र में 7-16 साल के बच्चों में से कई बच्चे लंबे समय तक स्कूल नहीं जाते और फिर सरकारी भर्ती में उनका प्रतिनिधित्व भी कम दिखता है। इन दो संकेतों के आधार पर बताइए कि इस क्षेत्र में हाशियाकरण किस तरह समझ में आएगा, और किस-किस 'विकास संकेतक' की बात होगी।

› पहला संकेत: 7-16 साल में स्कूल में टिके रहने की कमी–यह शिक्षा (schooling) का विकास संकेतक है।
› दूसरा संकेत: सरकारी नौकरी में प्रतिनिधित्व कम–यह सरकारी नौकरी का विकास संकेतक है।
› जब शिक्षा के अवसर कम होंगे तो सरकारी नौकरी के रास्ते भी कठिन होंगे, इसलिए असमान अवसरों का पैटर्न दिखेगा।
› निष्कर्ष: सुविधा/शिक्षा/रोज़गार–तीनों स्तरों पर अवसर की असमानता हाशियाकरण के रूप में दिख सकती है।

उत्तर – इस क्षेत्र में हाशियाकरण शिक्षा संकेतक (7-16 साल में स्कूल में कम टिकना) और सरकारी नौकरी संकेतक (प्रतिनिधित्व कम) से समझ में आता है–क्योंकि शिक्षा के कम अवसर आगे रोजगार और सरकारी सेवाओं तक पहुँच को भी प्रभावित करते हैं।

उदाहरण 9. मान लो एक मोहल्ले में लोग बार-बार कहते हैं कि 'मुसलमान लोग हमेशा ऐसा करते हैं'। फिर इकट्ठा होकर वे एक परिवार को बिना वजह शक से देखते हैं, कुछ लोग स्कूल में उनके बच्चों को अलग रखवाते हैं, और कई घरों में उन्हें "दोस्त मत बनाओ" कहा जाता है। धीरे-धीरे वह परिवार भी अपने आसपास के परिचित लोगों के साथ ज्यादा रहने लगता है और बाहरी लोग भी बातचीत से बचने लगते हैं। बताइए: इस स्थिति में (i) पूर्वाग्रह कहाँ बना, (ii) घेटोआइशेशन कैसे बढ़ा, और (iii) भेदभाव का रूप कैसा दिखा?

› पूर्वाग्रह पहचानो: 'मुसलमान लोग हमेशा ऐसा करते हैं'–यह बिना सच जाने सामान्यकरण है।

› भेदभाव पहचानो: स्कूल में बच्चों को अलग रखना, बातचीत/दोस्ती रोकना–ये अधिकार/बराबरी के व्यवहार का फर्क है।

› घेटोआइशेशन समझो: परिवार बाहरी समाज से असुरक्षित महसूस कर अपने 'अपने लोगों' के साथ ज्यादा सिमटता है, और बाहरी लोग भी दूरी रखते हैं–अलगाव बढ़ता है।

उत्तर – (i) पूर्वाग्रह: 'मुसलमान लोग हमेशा ऐसा करते हैं' जैसी बिना प्रमाण बात। (ii) घेटोआइशेशन: शक+अलग व्यवहार के कारण परिवार अपने परिचित समुदाय के बीच ज्यादा रहने लगा और बाहरी लोग दूरी बनाने लगे, जिससे सिमटाव बढ़ा। (iii) भेदभाव: स्कूल/समाज में बच्चों को अलग रखना और दोस्ती/बातचीत रोकना।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- प्रश्न में 'किस स्तर' पूछा हो तो सामाजिक/आर्थिक/राजनीतिक लिखना जरूरी है।
- MCQ/लघु-उत्तर में 3 कारण (अभाव, पूर्वाग्रह, शक्तिहीनता) लिखना ज़रूरी होता है।
- 500+ समूह और 'मूल निवासी'–दोनों लाइनें याद रखें; उत्तर में जरूर लिखें।
- आदिवासी धर्म में 3 शब्द लिखो: प्रकृति, ग्राम आत्मा, पुरखे–हर उत्तर में जोड़ो।
- बोर्ड में 'एकतरफा छवि' और 'गलतफहमी-भेदभाव' का संबंध लिखना जरूर आएगा।
- बोर्ड उत्तर में कारण-परिणाम (छिनना असर संघर्ष) जरूर लिखना।
- लिखते समय तीन शब्द जरूर जोड़ो: सत्ता, संसाधन, संस्कृति।
- उत्तर में 'विकास संकेतक' और 'सच्चर समिति' लिखना–यह डायरेक्ट मार्क दिलाता है।
- उत्तर देते समय 3 लिंक लिखो: पूर्वाग्रह, घेटोआइशेशन, भेदभाव (और आगे घृणा/हिंसा)।

एक नज़र में रिवीज़न

› - किनारा = बीच से बाहर; सामाजिक+आर्थिक+राजनीतिक प्रभाव

› अभाव + पूर्वाग्रह + शक्तिहीनता = हाशियाकरण बढ़ता है

› - आदिवासी = मूल निवासी, 500+ समूह

› - ग्राम आत्मा = गाँव, पुरखे = घर, प्रकृति = सम्मान

› - एकतरफा छवि गलतफहमी भेदभाव

› वनभूमिविस्थापनआजिविका/भोजन पर असरसंघर्ष

› - अल्पसंख्यक = संख्या नहीं, सत्ता+संसाधन+संस्कृति की सुरक्षा

› सुविधा- साक्षरता- सरकारी नौकरी: असमान मौका = हाशियाकरण

› पूर्वाग्रह भेदभाव घेटोआइशेशन तनाव/घृणा